This question paper contains 4 printed pages.

Your Roll No. .....

Sl. No. of Ques. Paper : **304** **H**

Unique Paper Code : **205539**

Name of Paper : **हिन्दी क (Hindi A)**

Name of Course : **B.A. (Prog.)**

Semester : **V**

Duration : **3 hours**

Maximum Marks : **75**

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिये गये निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिये।)

1. किन्हीं **दो** अनुच्छेदों के नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(क) मुझे भ्रम होता है कि प्रत्येक पत्थर में चमकता हीरा है,
हर-एक छाती में आत्मा अधीरा है,
प्रत्येक सुस्मित में विकल सदानीरा है,
मुझे भ्रम होता है कि प्रत्येक वाणी में महाकाव्य-पीड़ा है।

(i) प्रस्तुत अंश किस कविता से लिया गया है? इसके कवि कौन हैं?

(ii) 'आत्मा अधीरा' और 'विकल सदानीरा' का लाक्षणिक अर्थ स्पष्ट कीजिए।

(iii) क्या प्रस्तुत पंक्तियों के आधार पर कवि को 'सामान्य जन का कवि' कहा जा सकता है? स्पष्ट कीजिए।

(ख) संविधान आदि की भाषा में शब्दों का विशिष्ट अर्थ, उसका प्रयोग, स्थान, वाक्यांश का गठन, शब्दों और भावों का

तारतम्य अंतिम अर्थ की स्पष्टता के साधन हैं। इनकी भाषा में इस बात का विशेष ध्यान रखा जाता है कि अर्थभेद न होने पाए। वैधिक प्रारूपण में कठिन स्थलों को समझाने के लिए अलग व्याख्या और परिभाषा तक दे दी जाती है। यह सब टीका के रूप में ही होता है न की मूल रूप में। इस सबसे हमारा मंतव्य है कि हिन्दी भाषियों को क्लिष्टता के भूत को अपने मस्तिष्क से निकाल देना होगा?

(i) प्रस्तुत पंक्तियों के पाठ एवं लेखक का नाम लिखिए।

(ii) लेखक के अनुसार संविधान की भाषा में क्या-क्या विशेषताएँ होनी चाहिए?

(iii) लेखक ने क्यों कहा 'हिन्दी भाषियों को क्लिष्टता के भूत को अपने मस्तिष्क से निकाल देना होगा'?

(ग) धर्म के बिना तो हिन्दुस्तान का या किसी भी देश का काम चल सकता है, लेकिन एक साझा मिथकावली के बिना किसी देश का काम नहीं चल सकता है। मसलन, यदि कोई वामपंथी विशेषज्ञ यह नुस्खा सुझाये कि आप महाभारत की कथाओं को अपनी याद्दाश्त से बाहर निकाल दीजिए और फिर देश बनाइए, तो यह काम ब्रह्मा और विश्वकर्मा मिलकर भी नहीं कर सकते। महाभारत कोई धर्मग्रंथ नहीं है। वह इस देश के वाशिंदों के अनुभवों का निचोड़ है और होमर या शेक्सपियर की तरह वह सार्वकालिक और पंथ-निरपेक्ष है।

(i) प्रस्तुत पंक्तियों के पाठ और लेखक का नाम लिखिए।

(ii) साझा मिथकावली से लेखक का क्या तात्पर्य है?

(iii) महाभारत को लेखक ने धर्मग्रंथ क्यों नहीं माना?

9+9=18

2. किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(क) 'मैं हार गइ कहानी' के शीर्षक पर विचार कीजिए।

(ख) बीसवीं सदी की साहित्यिक दृष्टि से इलाहाबाद की महत्ता पर प्रकाश डालिए। (अब नहीं आती पुलिन पर प्रियतमा)

(ग) 'पर्दा उठाओ पर्दा गिराओ' एकांकी की समीक्षा कीजिए।

(घ) 'मुझको न मिला रे कभी प्यार' कविता में आए प्राकृतिक उपादानों की प्रतीकात्मकता को स्पष्ट कीजिए। 6+6=12

3. किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(क) भाषा की संरचना में सहायक विविध आयामों का उल्लेख कीजिए।

(ख) भाषा प्रयोग के विविध बिन्दुओं पर विचार कीजिए।

(ग) भाषा की विशेषताओं का निरूपण कीजिए।

(घ) सभ्यता के विकास में भाषा की भूमिका स्पष्ट कीजिए।

5+5+5=15

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(क) सामाजिक स्तर भेद के कारण उत्पन्न भाषा की विविधताओं पर प्रकाश डालिए।

अथवा

'समाज भाषा के बिना अभिव्यक्ति नहीं पा सकता'– स्पष्ट कीजिए। 8

(ख) औपचारिक और अनौपचारिक भाषा का अन्तर स्पष्ट कीजिए।

अथवा

भाषा और समाज के अंतःसंबंध पर प्रकाश डालिए। 7

P.T.O.

5. किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(क) निम्न शब्दों में से किन्हीं **पाँच** के विलोम शब्द लिखिए:
उन्नति, अशक्त, विद्वान, निर्मम, प्राकृतिक, दिवस, उच्च

(ख) वाचक और वाच्यार्थ शब्दों को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

(ग) किन्हीं **पाँच** शब्दों के दो-दो पर्यायवाची लिखिए:
संचय, कथा, वृक्ष, विनाश, पर्वत, प्रभात, प्रारंभ

(घ) निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं **पाँच** के तद्भव रूप लिखिए:
नृत्य, सदृश्य, अमल, पार्थिव, प्रादुर्भाव, तिमिर, वाष्प।

5+5+5=15